केन्द्रीय विद्यालय संगठन

शिक्षा एवं प्रशिक्षण का आंचलिक संस्थान, मैसूर

आकृति -10

त्रैमासिक द्विभाषी ई- पत्रिका (जुलाई से सितंबर 2025)

kvszietmysore@gmail.com

Phone 0821 -2470345

संरक्षक/ Patron

सुश्री मीनाक्षी जैन/ Ms Menaxi Jain

उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन

एवं

निदेशक

शिक्षा एवं प्रशिक्षण का आंचलिक संस्थान, मैसूर

संपादक

डॉ. वीरेन्द्र कुमार सिंह

प्रशिक्षण सहयोगी हिंदी

शिक्षा एवं प्रशिक्षण का आंचलिक संस्थान, मैसूर

निदेशक की कलम से

संस्थान में होने वाली गतिविधियों को सभी तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम है त्रैमासिक पत्रिका आकृति। पत्रिका का दसवाँ संस्करण आप सभी के सम्मुख प्रस्तुत है। पत्रिका का मुख्य उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रचार - प्रसार को बढ़ावा देना है ।राजभाषा के माध्यम से प्रकाशित यह पत्रिका नूतन विचार, दृष्टिकोणों की मौलिकता तथा रचनात्मक कौशल को नया आयाम प्रदान कर रही है। हिंदी सृजनात्मकता को प्रभावी बनाने की दिशा में यह एक सकारात्मक क़दम है । ।राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षक- प्रशिक्षण को विशेष महत्व दिया गया है । सतत व्यावसायिक विकास के लिए तथा कर्मचारी की दक्षता बढ़ाने में प्रशिक्षण महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। प्रशिक्षण शिक्षा के क्षेत्र में आए परिवर्तनों से शिक्षकों का परिचय कराता है ।आप सभी के समक्ष विभिन्न प्रशिक्षण कार्यशालाओं एवं अन्य गतिविधियों का विवरण इस पत्रिका के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए बड़ा हर्ष अनुभव हो रहा है। संस्थान के सभी कर्मचारियों का सतत प्रयास तथा सकारात्मक दृष्टिकोण प्रशंसनीय है।

शुभकामनाओं सहित।

मीनाक्षी जैन

निदेशक

सूचकांक

क्र सं	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
1	हिन्दी की विशेषताएँ	5
2	जाँच बिंदुओं का निर्धारण	10
3	हिन्दी कार्यशाला का कार्यवृत	12
4	जून से सितंबर तिमाही बैठक का कार्यवृत	13
5	कौशल संवर्धन हेतु व्यावसायिक शिक्षा कार्यशाला : चेन्नई संभाग	16-17
6	कौशल संवर्धन हेतु व्यावसायिक शिक्षा कार्यशाला : हैदराबाद संभाग	17
7	*विज्ञान शिक्षण में आईसीटी का प्रभावी उपयोग*	17
8	*राष्ट्रीय कर्मयोगी लार्ज-स्केल जन-सेवा कार्यक्रम*	17-18
9	"जागरूकता एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही का संचालन" हेतु कार्यशाला	18
10	भाषा एवं साहित्य शिक्षण में विषयवस्तु संवर्धन पर तीन दिवसीय कार्यशाला	19
11	पुस्तकालयों का डिजिटलीकरण और ई-ग्रंथालय 4.0	19
12	नई पाठ्यपुस्तकों (हिंदी) पर मास्टर ट्रेनर्स के लिए अभिविन्यास कार्यशाला	20
13	*नई विज्ञान पाठ्यपुस्तक पर मास्टर ट्रेनर्स के लिए* अभिविन्यास कार्यशाला	20 -21
14	गणित पाठ्यपुस्तकों पर मास्टर ट्रेनर्स के लिए अभिविन्यास कार्यशाला	21
15	नई पाठ्यपुस्तकों (संस्कृत) पर मास्टर ट्रेनर्स के लिए अभिविन्यास कार्यशाला	22
16	नई अंग्रेजी पाठ्यपुस्तकों पर मास्टर ट्रेनर्स के लिए अभिविन्यास कार्यशाला	22
17	नई सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तकों पर मास्टर ट्रेनर्स के लिए अभिविन्यास कार्यशाला	23
18	कौशल संवर्धन हेतु व्यावसायिक शिक्षा कार्यशाला : बेंगलुरु संभाग	23
19	"हिंदी शिक्षण में आईसीटी का प्रभावी उपयोग" विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला	23 -24
20	अंग्रेजी शिक्षण में आईसीटी का प्रभावी उपयोग" विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला	24

21	*किशोर मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के संवर्धन हेतु मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण*	24
22	"सामाजिक विज्ञान शिक्षण में आईसीटी का प्रभावी उपयोग" विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला	25
23	"गणित शिक्षण में ICT का प्रभावी उपयोग" विषय पर 5-दिवसीय ऑनलाइन	25
24	"शिक्षाशास्त्र की बेहतर समझ के साथ विषयवस्तु शिक्षण" विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला	25
25	पुस्तकालयों को ज्ञान केंद्र बनाने हेतु ई-ग्रंथालय 4.0 : डिजिटलीकरण और व्यावहारिक पहलू	26
26	ऑनलाइन जीवन और विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का संतुलन"	26
27	"भाषाई कौशल विकास एवं मूल्यांकन" विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला	26 -27
28	**कार्यशालाओं का अंग्रेजी प्रारूप**	
29	workshop on *"Skill Enrichment in Vocational Education Chennai region*	27
30	**workshop** on *"Skill Enrichment in Vocational Education Hyderabad region*	28
31	***A workshop on Effective Use of ICT in Science Teaching***	28
32	***Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Programme***	28
33	**workshop** on *"Handling the Vigilance and Disciplinary Proceedings*	29
34	workshop on **Content Enrichment in Teaching Language and Literature**	29
35	workshop on "Digitalization of Libraries & Practical aspects of E-Granthalaya 4.0	29-30
36	Orientation course for master trainers on the new textbooks for (Hindi)	30
37	***Orientation Course for Master Trainers on New Science Textbook***	30
38	***Orientation Course for Master Trainers on New Mathematics Textbook***	30-31
39	***Orientation Course for Master Trainers on New Textbook* for Sanskrit**	31
40	***Orientation Course for Master Trainers on New EnglishTextbook***	31
41	***Orientation Course for Master Trainers on New Social Science Textbook***	31-32
42	**workshop** on *"Skill Enrichment in Vocational Education: Practical Learning with ATL & STEAM"*	32
43	workshop on "Effective Use of ICT in Hindi Teaching"	32
44	workshop on "Effective Use of ICT in English Teaching"	32-33
45	***Training of Master Trainers on Nurturing Adolescent Mental Health & Well-being***	33
46	workshop on "Effective Use of ICT in Social Science Teaching"	33
47	workshop on "Effective Use of ICT in *Mathematics* Teaching"	33
48	workshop on "Teaching Content with Better Understanding of Pedagogy"	34
49	Workshop on focusing on Digitization and Practical Aspects of E-Granthalaya 4.0	34
50	**workshop for Master Trainers on *"Balancing Online Life & Mental Health of Students"***	34

हिन्दी की विशेषताएँ

संसार की उन्नत भाषाओं में हिंदी सबसे अधिक व्यवस्थित भाषा एवं सरल भाषा के साथ – साथ लचीली भाषा तथा विश्व भाषा बनने की पूर्ण अधिकारिणी है। इसकी लिपि देवनागरी अत्यन्त वैज्ञानिक लिपि है। हिंदी को संस्कृत शब्द संपदा एवं नवीन शब्द रचना सामर्थ्य विरासत में मिली है। इसने देशी भाषाओं की शब्द संपदा भी ग्रहण की है। देश में हिंदी बोलने एवं समझने वाली जनता पचास करोड़ से भी अधिक है।

हिन्दी का साहित्य सभी दृष्टियों से समृद्ध है।

संवैधानिक प्रावधान

संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया।

संविधान के 26 जनवरी, 1950 को लागू होने के साथ ही हिंदी हमारी राजभाषा हो गयी।

प्रत्येक वर्ष हम 14 सितम्बर को 'हिंदी दिवस' के साथ-साथ हिंदी सप्ताह, हिंदी पखवाड़ा और हिंदी माह मनाते हैं।

समितियाँ

केन्द्रीय हिंदी समिति-

यह एक सर्वोच्च नीति निर्धारण समिति है। प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष होते हैं।

हिंदी सलाहकार समिति-

प्रत्येक मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति होती है। सम्बन्धित मंत्री इसके अध्यक्ष होते हैं।

संसदीय राजभाषा समिति

समिति में कुल 30 सदस्य होते हैं जिसमें 20 सदस्य लोकसभा से तथा 10 सदस्य राज्यसभा से होते हैं । ये सभी सदस्य संसद द्वारा निर्वाचित होते हैं, लेकिन उनका औपचारिक चयन भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है।

केन्द्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति-सचिव, राजभाषा विभाग इसके अध्यक्ष होते हैं।

विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति-

प्रत्येक मंत्रालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति होती है जिसके अध्यक्ष सामान्यत: संयुक्त सचिव या कार्यालय के प्रशासनिक प्रमुख होते हैं।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-यह नगर स्तर की समिति होती है।

इकाई/विभागीय कार्यान्वयन समिति- प्रत्येक विभाग का प्रमुख कार्यान्वयन समिति का अध्यक्ष होता है और अधीनस्थ अधिकारी/ कर्मचारी अन्य पदाधिकारी इसके सदस्य होते हैं।

धारा 3 (3) के तहत निम्नलिखित दस्तावेज़ द्विभाषी यानी हिन्दी और अंग्रेजी में होना अनिवार्य है —

1.संकल्प (Resolution),

2.साधारण आदेश (General orders),

3.नियम (Rules),

4.अधिसूचना (Notifications),

5.प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन (Administrative and other reports),

6.प्रेस विज्ञप्ति (Press Communiques),

7.संसद के किसी सदन या सदनों के समक्ष रखे गए प्रशासनिक तथा अन्य प्रतिवेदन (Administrative and other reports to be laid before Parliament),

8.राजकीय कागज-पत्र (Official papers),

9.संविदा (Contracts),

10.करार (Agreements),

11.अनुज्ञप्ति (License),

12.अनुज्ञापत्र (Permits),

13.सूचना (Notice)

14.निविदा-प्रारूप (Tender forms)

हिंदी भाषा के प्रयोग करने वालों की संख्या के आधार पर भारत वर्ष को राजभाषा नियम 1976 के तहत तीन क्षेत्रों यथा—

क क्षेत्र, ख क्षेत्र एवं ग क्षेत्र में बाँटा गया है।

क क्षेत्र में— पूर्णतः हिंदी भाषी प्रदेश (1) मध्यप्रदेश (2) छत्तीसगढ़ (3) उत्तर प्रदेश, (4) उत्तराखंड (5) बिहार (6) झारखंड (7) दिल्ली (8) राजस्थान (9) हरियाणा (10) हिमाचल प्रदेश (11) अंडमान निकोबार शामिल हैं।

ख क्षेत्र में— (1) गुजरात (2) पंजाब (3) चंडीगढ़ (4) महाराष्ट्र (5) दमन व दीव और दादरा व नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र शामिल हैं।

ग क्षेत्र में– 'क' और 'ख' क्षेत्र में शामिल नहीं किए गए अन्य सभी राज्य व संघ राज्य क्षेत्र।

वार्षिक कार्यक्रम में इन क्षेत्रों में स्थित केन्द्रीय कार्यालयों में हिंदी प्रयोग के लिए अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं।

राजभाषा के प्रति हमारा दायित्व

- हस्ताक्षर हिंदी में करेंगे।
- सभी प्रकार के फॉर्म,आवेदन,रजिस्टर आदि में हिंदी का प्रयोग करेंगे।
- कंप्यूटर पर यूनिकोड अपनाकर हिंदी का प्रसार बढ़ाएंगे।
- सभी रबर स्टंप,बोर्ड,विजिटिंग कार्ड,लेटर हेड हिंदी-अँग्रेजी में बनाएंगे।
- हिंदी पत्रों का जवाब हिंदी में देंगे।

संवैधानिक प्रावधान :-

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 तथा **राजभाषा अधिनियम 1963** में निहित है।

- अनुच्छेद 343 – भारत की राजभाषा हिंदी (देवनागरी लिपि) होगी, और प्रारंभ में 15 वर्षों तक अंग्रेज़ी भी सहायक भाषा रहेगी।
- अनुच्छेद 344 – राजभाषा आयोग और संसदीय राजभाषा समिति का गठन हिंदी के प्रचार-प्रसार की समीक्षा के लिए किया जाएगा।
- अनुच्छेद 345 – राज्य अपनी राजकीय भाषा निर्धारित कर सकते हैं, जिसमें हिंदी या अन्य भाषाएँ शामिल हो सकती हैं।
- अनुच्छेद 346 – राज्यों के बीच और केंद्र-राज्य संचार हिंदी या अंग्रेज़ी में होगा।
- अनुच्छेद 347 – किसी समुदाय की भाषा को राजकीय भाषा का दर्जा देने का निर्णय राष्ट्रपति द्वारा किया जा सकता है।

- अनुच्छेद 348 – सुप्रीम कोर्ट, उच्च न्यायालय और संसद में अंग्रेज़ी का प्रयोग होगा, परंतु राज्य कानूनों के अंग्रेज़ी अनुवाद अनिवार्य होंगे।
- अनुच्छेद 349 – राजभाषा से संबंधित विधेयकों पर राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी।
- अनुच्छेद 350 – भारत के किसी भी नागरिक को सरकारी कार्यालयों में अपनी मातृभाषा में आवेदन देने का अधिकार होगा।
- अनुच्छेद 350A – राज्य सरकारें प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में प्रदान करने की व्यवस्था करेंगी।
- अनुच्छेद 350B – भाषाई अल्पसंख्यकों के संरक्षण के लिए विशेष अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी।
- अनुच्छेद 351 – केंद्र सरकार हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और विकास की दिशा में कार्य करेगी।

आकृति-10

जाँच बिंदुओं का निर्धारण

केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा प्राप्त निर्देशों की अनुपालना में जाँच बिंदुओं का निर्धारण किया गया है :-

1. राजभाषा नियम 1976 के नियम 5 की अनुपालन में हिन्दी में प्राप्त हुए पत्रों के उत्तर हिन्दी में ही दिया जाना अनिवार्य है ।
2. राजभाषा नियम 1976 के नियम 8(4) के तहत प्रवीणता प्राप्त अधिकारियों को अपना कार्य हिन्दी में करने हेतु विनिर्दिष्ट करना ।
3. अनुभाग अधिकारी / शाखा अधिकारी की यह जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए कि राजभाषा नियम 1976 के नियम 11 में उल्लिखित सभी वस्तुएँ जैसे- रजिस्टरों के प्रारूप व शीर्षक , नामपट्ट ,सूचनापट्ट , होर्डिंग्स, निमंत्रण पत्र, मोहरें आदि अनिवार्यतः द्विभाषी रूप में बनवाई जाएँ ।
4. राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) की अनुपालना में सामान्य आदेश, नोटिस ज्ञापन , परिपत्र, रिपोर्ट,संविदा आदि का द्विभाषी होना अनिवार्य है। जिसमे हिन्दी रूपांतर अंग्रेजी रूपांतर से ऊपर हो ।
5. 'क' तथा 'ख' क्षेत्रों को भेजे जाने वाले पत्रों के लिफ़ाफों पर पते हिन्दी में लिखे जाने चाहिए । इसके लिए परेशान अनुभाग को जाँच बिन्दु बनाया जा सकता है।
6. फॉर्म, कोड ,मैन्यूअल इत्यादि का द्विभाषी प्रकाशन होना चाहिए, जिसके लिए संबंधित अनुभाग अधिकारी को जाँच बिन्दु निर्धारित किया जाए ।

7. कार्यालय के द्वारा प्रयुक्त सभी सेवा पुस्तिकाओं में प्रविष्टियाँ हिन्दी में की जाएँ। इसके लिए प्रविष्टि करने वाले कर्मी को जाँच बिन्दु निर्धारित किया जाए ।

8. विभागीय बैठकों /संगोष्ठियों के कार्यवृत्त हिन्दी या द्विभाषी तैयार किए जाएँ ।

9. विज्ञापन एवं प्रचार- प्रसार पर होने वाले व्यय का कम से कम 50% हिन्दी में होना चाहिए ।

10. सभी संबंधित आंतरिक लेखा परीक्षा टीम के प्रमुख को इसके लिए जाँच बिन्दु बनाया जाए । वे यह सुनिश्चित करें कि आंतरिक लेखा परीक्षा के दौरान संबंधित कार्यालय का राजभाषा संबंधी निरीक्षण भी विस्तार से करें। साथ ही अपनी निरीक्षण रिपोर्ट में राजभाषा के प्रयोग संबंधी टिप्पणी अवश्य दें तथा निरीक्षण रिपोर्ट द्विभाषी रूप में प्रस्तुत करें।

11. प्रत्येक तिमाही के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की कम से कम एक बैठक का आयोजन अपेक्षित है। इन बैठकों के कार्यवृत्तों का समुचित रिकार्ड रखा जाए। इन सभी बैठकों में राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के प्रत्येक मद पर चर्चा की जाए ।

आशीष-10

हिन्दी कार्यशाला का कार्यवृत्त

एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का कार्यवृत्त

दिनांक 12 .09 .2025

शिक्षा एवं प्रशिक्षण के आँचलिक संस्थान, मैसूर में 12.09.2025 को एक दिवसीय 'हिन्दी कार्यशाला' का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त एवं निदेशक शि.प्र.आं.सं मैसूर की अध्यक्षता में पुस्तकालय कक्ष में हुआ ।

कार्यशाला का संचालन डॉ.वीरेन्द्र कुमार सिंह , प्रशिक्षण सहयोगी (हिंदी) ने किया।

- कार्यशाला का शुभारंभ डॉ.वीरेन्द्र कुमार सिंह के स्वागत भाषण के साथ हुआ जिसमे कार्यशाला में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया गया। इसके बाद डॉ.व्ही .के .सिंह ने कार्यशाला में होने वाली गतिविधियों के बारे में सभी को जानकारी दी।
- अपने सम्बोधन में निदेशक महोदया ने राजकीय कार्यों में राजभाषा की उपादेयता के बारे में बताया। हम अपने कार्यों में हिन्दी का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें, इस बात पर महोदया जी ने विशेष बल दिया ।
- इसके बाद श्री वीरेंद्र कुमार सिंह ने "राजभाषा नियमावली तथा तकनीकी की सहायता से भाषा शिक्षण" विषय पर सत्र लिया जिसमे उन्होंने अनुवादिनी, भाषिणी आदि के बारे में बताया ।
-
- श्री दिनेश कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

शिक्षा एवं प्रशिक्षण आँचलिक संस्थान मैसूर /KVS-ZIET-MYSORE

राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन समिति की दिनांक 26.09.02025 को आयोजित 79 वीं बैठक का कार्यवृत्त

शिक्षा एवं प्रशिक्षण आंचलिक संस्थान, मैसूर में जुलाई 2025 से सितंबर 2025 तक तिमाही की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 79 वीं बैठक, दिनांक 26 .09 .2025 को 12.00 बजे सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त एवं निदेशक शि.प्र.आं.सं मैसूर की अध्यक्षता में पुस्तकालय कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया :-

सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त केविसं एवं निदेशक - अध्यक्ष
Ms Menaxi Jain, Deputy Commissioner, KVS & Director - Chairman

सदस्य / **Members**

1. श्रीमती विनीता एन सी प्रशिक्षण सहयोगी (अंग्रेजी) -सदस्य/Member
   Smt Vineetha N C , Training Associate (English)

2. श्री डी श्रीनिवासुलू प्रशिक्षण सहयोगी (गणित) - सदस्य/Member
   Sh. D Srinivasulu, Training Associate (Maths)

3. डॉ. वीरेन्द्र कुमार सिंह प्रशिक्षण सहयोगी (हिंदी) - सदस्य/Member
   Dr. Virendra Kumar Singh Training Associate (Hindi)

4. श्री दिनेश कुमार प्रशिक्षण सहयोगी (भौतिकी) - सदस्य/Member
   Sh. Dinesh Kumar,Training Associate (Physics)

5. श्री. वरुण कुमार झा, प्रशिक्षण सहयोगी (प्राथमिक कक्षा) - सदस्य/Member
   Sh. Barun Kumar Jha, Training Associate (Primary)

6. श्री बुशऐर पी के (पुस्तकालयाध्यक्ष) - सदस्य/Member
   Sh. Bushair P K (Librarian)

7. श्री गोपाल कलसद सहायक प्रशासनिक अधिकारी - सदस्य/Member
   Shri Gopal Kalsad ASO

8. श्री नायकर - सदस्य /Member

तिमाही बैठक के कार्यक्रम का विवरण निम्न प्रकार रहा:

क्र सं	कार्यक्रम	कर्मचारी का नाम
1	मंच संचालन तथा स्वागत भाषण	डॉ. वीरेन्द्र कुमार सिंह
2	पूर्व तिमाही की समीक्षा	श्री दिनेश कुमार
3	वर्तमान तिमाही का प्रतिवेदन	श्री डी श्रीनिवासुलू
4	निदेशक महोदया द्वारा मार्गदर्शन	सुश्री मीनाक्षी जैन
5	धन्यवाद ज्ञापन	श्री दिनेश कुमार

बैठक का संचालन डॉ. वीरेन्द्र कुमार सिंह ने किया। बैठक में की गई कारवाई तथा लिए गए निर्णयों का विवरण इस प्रकार है -

एजेंडा बिंदु 1 : स्वागत भाषण/Welcome Address.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार सिंह ने अध्यक्ष की अनुमति से कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त,केविसं एवं निदेशक, शिक्षा एवं प्रशिक्षण आंचलिक संस्थान, मैसूर का स्वागत किया | तत्पश्चात उन्होंने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया और सूचित किया कि बैठक के.वि.सं (मुख्य) के दिशानिर्देशों पर आयोजित है।

एजेंडा बिंदु No.2 : पिछली बैठक की रिपोर्ट प्रस्तुति और समीक्षा/**Submission of Minutes of previous quarterly meeting and review**

कार्यसूची के अनुसार श्री दिनेश कुमार प्रशिक्षण सहयोगी(भौतिकी) ने पूर्व बैठक दिनांक 30.06.2025 की रिपोर्ट श्रीतथा के.वि.सं (मुख्य) द्वारा भेजी गई समीक्षा को सबके समक्ष प्रस्तुत किया और बताया कि समीक्षा में दिए गए निर्देशों की अनुपालना की जा रही है | तत्पश्चात पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की जांच की गई |

एजेंडा बिंदु No.3 वर्तमान तिमाही प्रतिवेदन

श्री डी श्रीनिवासुलू ने वर्तमान तिमाही का प्रतिवेदन अध्यक्ष की अनुमति के पश्चात सबके समक्ष प्रस्तुत किया जिसमे वर्तमान तिमाही में हुए कार्यक्रमों के बारे में बताया गया।

एजेंडा बिंदु No.4 तिमाही में राजभाषा हिंदी के प्रयोग पर चर्चा / Discussion on the use of Official Language in the quarter

डॉ. वीरेन्द्र कुमार सिंह ने इस तिमाही की मूल पत्राचार स्थिति से सबको अवगत करवाया | वर्तमान तिमाही में हिन्दी में

- क-क्षेत्र को 95.12%
- ख-क्षेत्र को 100%
- ग-क्षेत्र को 99.11%

पत्र हिन्दी में भेजे गए । हिन्दी में प्राप्त 25 पत्रों में से 2 पत्रों के उत्तर हिन्दी में दिए शेष 23 पत्रों का उत्तर देना आवश्यक नहीं था

- किसी भी हिंदी पत्र का उत्तर अंग्रेजी में नहीं भेजा गया ।
- इस तिमाही में 18 पृष्ठों में हिन्दी में और 10 पृष्ठ अंग्रेजी में फाइलों पर नोटिंग की गई |
- राजभाषा अधिनियम की धारा 3|3| के अंतर्गत जारी दस्तावेज़ पर चर्चा हुई और यह बताया गया कि तिमाही *में 6 दस्तावेज़* द्विभाषी में जारी किए गए |
-

एजेंडा बिंदु No.5 मुख्यालय तथा नराकस आदि से प्राप्त दिशा निर्देशों की जानकारी

डॉ. वीरेन्द्र कुमार सिंह ने समय- समय पर मुख्यालय तथा नराकास आदि से प्राप्त राजभाषा हिन्दी के प्रयोग से संबंधित दिशा निर्देशों को सभी सदस्यों के सम्मुख प्रस्तुत किया और आग्रह किया कि सभी कर्मचारी इन पत्रों में दिए गए निर्देशों का अनुपालन करें |

एजेंडा बिंदु No.6 प्रशिक्षण/कार्यशालाओं में राजभाषा हिन्दी का प्रशिक्षण

वर्तमान तिमाही में संस्थान में आयोजित 2 कार्यशालाओं में राजभाषा हिन्दी का प्रशिक्षण दिया गया जिसमे प्रशिक्षणार्थियों को राजकीय कार्य राजभाषा हिन्दी में करने का आग्रह किया गया।

एजेंडा बिंदु No.7: एक दिवसीय हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला

इस तिमाही में संस्थान में एक दिवसीय हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 12/9/2025 को किया गया जिसमे संस्थान के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया|

एजेंडा बिंदु No.8 अध्यक्ष द्वारा मार्गदर्शन

अध्यक्ष, सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त,केविसं एवं निदेशक, शिक्षा एवं प्रशिक्षण आंचलिक संस्थान**,** मैसूर ने बैठक को संबोधित किया | उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी हिन्दी भाषा के प्रयोग, प्रचार व प्रसार के अपने प्रयास को जारी रखें। पत्राचार राजभाषा नियमानुसार होने चाहिए.

लिए गए निर्णय :

- ईमेल पत्राचार भी द्विभाषी होना चाहिए।
- निम्न कर्मचारियों को जांच बिन्दु बनाया गया:
    - प्रशासनिक पत्राचार की देखरेख श्री **बरुन कुमार झा** प्रशिक्षण सहयोगी (प्राथमिक) करेंगे।| इसके अनुपालन में वे प्रति सप्ताह पत्राचार के आंकड़ों का जायजा लेंगे और आगामी सप्ताह के लिए योजना निर्धारित करेंगे |
    - प्रशिक्षण संबंधी पत्राचार की देखरेख **डॉ.वीरेंद्र कुमार सिंह** प्रशिक्षण सहयोगी (हिन्दी) करेंगे। इसके अनुपालन में वे प्रतिसप्ताह पत्राचार के आंकड़ों का जायजा लेंगे और आगामी सप्ताह के लिए योजना निर्धारित करेंगे |
- **श्री गोपाल कलसद** सहायक अनुभाग अधिकारी पत्रों के प्रेषण से पहले जाँच करेंगे कि पत्रों का प्रेषण राजभाषा नियमानुसार हो रहा है। ईमेल से भेजे जा रहे पत्रों का भी ध्यान रखेंगे,साथ ही फ़ाइलों पर लिखी जाने वाली टिप्पणियों तथा कार्यालय आदेशों की देखरेख करेंगे ।

संस्थान में तिमाही के दौरान आयोजित कार्यशालाएँ

1. कौशल संवर्धन हेतु व्यावसायिक शिक्षा कार्यशाला : चेन्नई संभाग

"कौशल संवर्धन हेतु व्यावसायिक शिक्षा में एटीएल एवं STEAM आधारित व्यावहारिक अधिगम" विषय पर 5-दिवसीय ऑफलाइन कार्यशाला का आयोजन चेन्नई क्षेत्र के TGT (WE) शिक्षकों के लिए 30 जून से 04 जुलाई 2025 तक किया गया। इस कार्यशाला में कुल 31 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागियों ने अनुभवात्मक गतिविधियों, सहयोगात्मक चर्चाओं एवं चिंतन सत्रों में भाग लेकर व्यावहारिक अधिगम का अनुभव प्राप्त किया। कार्यशाला ने विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा को सशक्त बनाने हेतु शिक्षकों को उपयोगी दृष्टिकोण एवं रणनीतियाँ प्रदान कीं।

2. कौशल संवर्धन हेतु व्यावसायिक शिक्षा कार्यशाला : हैदराबाद संभाग

"कौशल संवर्धन हेतु व्यावसायिक शिक्षा में एटीएल एवं STEAM आधारित व्यावहारिक अधिगम" विषय पर 5-दिवसीय ऑफलाइन कार्यशाला का आयोजन हैदराबाद क्षेत्र के TGT (WE) शिक्षकों के लिए 07 से 11 जुलाई 2025 तक किया गया। इस कार्यशाला में कुल 43 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागियों ने अनुभवात्मक गतिविधियों, चर्चाओं एवं चिंतन सत्रों में भाग लेकर व्यावहारिक अधिगम का अनुभव प्राप्त किया। कार्यशाला ने शिक्षकों को विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा को समृद्ध करने हेतु प्रभावी रणनीतियाँ एवं उपयोगी दृष्टिकोण प्रदान किए।

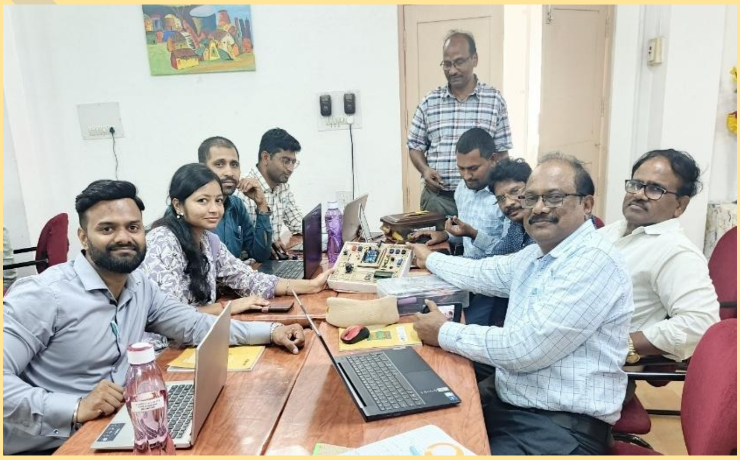

3. *विज्ञान शिक्षण में आईसीटी का प्रभावी उपयोग*

07.07.2025 से 11.07.2025 तक केन्द्रीय विद्यालय संगठन के टीजीटी (विज्ञान) शिक्षकों हेतु *विज्ञान शिक्षण में आईसीटी का प्रभावी उपयोग* विषय पर 5 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) उपकरणों को विज्ञान शिक्षण में एकीकृत करने की क्षमता बढ़ाना और विद्यार्थियों की सहभागिता एवं अधिगम परिणामों में सुधार करना था। सहभागियों ने इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म, डिजिटल संसाधन, वर्चुअल लैब और नवीन

शिक्षण रणनीतियों का अभ्यास किया। यह कार्यशाला शिक्षकों की डिजिटल शिक्षण कौशल को सुदृढ़ करने एवं विज्ञान शिक्षण को अधिक संवादी, वैचारिक और छात्र-केंद्रित बनाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई।

4. *राष्ट्रीय कर्मयोगी लार्ज-स्केल जन-सेवा कार्यक्रम*

14.07.2025 से 16.07.2025 तक प्रधानाचार्यों हेतु *राष्ट्रीय कर्मयोगी लार्ज-स्केल जन-सेवा कार्यक्रम* पर 3 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य मास्टर ट्रेनर तैयार करना था, जो इस कार्यक्रम को संस्थागत एवं क्षेत्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू कर सकें। सत्रों में राष्ट्रीय कर्मयोगी के उद्देश्यों की समझ, नेतृत्व कौशल, क्षमता निर्माण और सेवा वितरण रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। सहभागियों ने सहभागी चर्चाओं, समूह गतिविधियों और रोल-प्ले के माध्यम से व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित किया। यह कार्यक्रम प्रधानाचार्यों की नेतृत्व और प्रशिक्षण क्षमताओं को सुदृढ़ करने में अत्यंत उपयोगी हुआ। साबित

5. "जागरूकता एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही का संचालन" हेतु कार्यशाला

"जागरूकता एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही का संचालन" विषय पर **4-दिवसीय ऑफलाइन कार्यशाला** का आयोजन **KVS के सहायक आयुक्त (बैच-2)** के लिए **15 से 18 जुलाई 2025** तक किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को जागरूकता और अनुशासनात्मक मामलों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने की क्षमताएँ और समझ प्रदान करना था। कुल **35 सहायक आयुक्तों** ने केस स्टडी, इंटरैक्टिव चर्चाओं और व्यावहारिक अभ्यासों में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला ने निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश और रणनीतियाँ प्रदान कीं।

6. भाषा एवं साहित्य शिक्षण में विषयवस्तु संवर्धन पर तीन दिवसीय कार्यशाला

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (अंग्रेजी) के लिए 21 से 23 जुलाई 2025 तक भाषा एवं साहित्य शिक्षण में विषयवस्तु संवर्धन पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में शैक्षणिक कौशल को बढ़ाना और विषयवस्तु ज्ञान को गहन बनाना था। मास्टर प्रशिक्षकों ने नवीन रणनीतियों, मूल्यांकन तकनीकों और पाठ्यक्रम संरेखण पर केंद्रित इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया। छात्रों में आलोचनात्मक सोच, रचनात्मक लेखन और बोध कौशल विकसित करने पर ज़ोर दिया गया। प्रतिभागियों को साहित्य शिक्षण और गतिविधि-आधारित भाषा शिक्षण की सर्वोत्तम प्रथाओं से अवगत कराया गया। अंग्रेजी कक्षाओं में डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकी एकीकरण के उपयोग का भी प्रदर्शन किया गया। शिक्षकों ने समूह चर्चाओं, प्रस्तुतियों और व्यावहारिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला ने एक सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा दिया और चिंतनशील शिक्षण प्रथाओं को प्रोत्साहित किया। कुल मिलाकर, यह अंग्रेजी शिक्षण में व्यावसायिक विकास और शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में एक सफल पहल थी।

7. पुस्तकालयों का डिजिटलीकरण और ई-ग्रंथालय 4.0

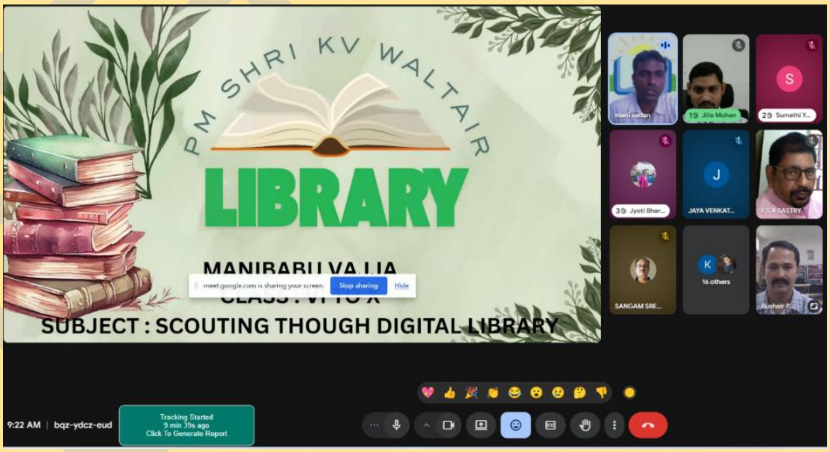

पुस्तकालयों के डिजिटलीकरण और ई-ग्रंथालय 4.0 के व्यावहारिक पहलुओं तथा पुस्तकालयों को ज्ञान केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने पर केंद्रित एक पाँच-दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला 18 जुलाई, 2025 और 21-24 जुलाई, 2025 को आयोजित की गई। कार्यशाला में संभवतः पुस्तकालयों को डिजिटलीकरण के माध्यम से आधुनिक ज्ञान केंद्रों में बदलने, कुशल पुस्तकालय प्रबंधन और बेहतर पहुँच के लिए ई-ग्रंथालय 4.0 का लाभ उठाने पर ज़ोर दिया गया। प्रतिभागियों ने संभवतः पुस्तकालयों में शैक्षिक उत्कृष्टता और प्रौद्योगिकी एकीकरण को बढ़ावा देने के लक्ष्यों के अनुरूप, डिजिटल रणनीतियों को लागू करने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण और विशेषज्ञ सत्रों में भाग लिया होगा। यह कार्यक्रम संभवतः किसी शैक्षणिक संस्थान या शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन पर केंद्रित किसी संस्था द्वारा आयोजित किया गया होगा, जिसका उद्देश्य पुस्तकालयों को जीवंत ज्ञान केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

8. नई पाठ्यपुस्तकों (हिंदी) पर तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला

कक्षा 6, 7 और 8 की नई पाठ्यपुस्तकों (हिंदी)पर तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला 22 से 24 जुलाई 2025 तक टीजीटी (हिंदी) शिक्षकों के लिए आयोजित की गई । कार्यशाला का उद्देश्य नए पाठ्यक्रम की संरचना, दृष्टिकोण और शिक्षण पद्धति की गहन समझ प्रदान करना था। विषय विशेषज्ञों ने पाठ्यपुस्तकों की प्रमुख विशेषताओं, सामग्री प्रस्तुति और प्रभावी शिक्षण रणनीतियों पर चर्चा की। कार्यशाला में गतिविधि-आधारित शिक्षण, नवीन मूल्यांकन विधियों और छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर दिया गया। प्रत्येक दिन अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा संचालित व्याख्यान और व्यावहारिक सत्र शामिल थे। शिक्षकों ने नई पाठ्यपुस्तकों के आधार पर पाठ योजनाओं को डिजाइन और प्रस्तुत करने के लिए समूहों में सहयोग किया। नई पुस्तकों की सामग्री को इसके समावेशी दृष्टिकोण, स्थानीय प्रासंगिकता और मूल्य-आधारित विषयों के लिए सराहा गया।

9. *नई विज्ञान पाठ्यपुस्तक पर मास्टर ट्रेनर्स के लिए ओरिएंटेशन कोर्स*

28.07.2025 से 30.07.2025 तक टीजीटी (विज्ञान) शिक्षकों हेतु *नई विज्ञान पाठ्यपुस्तक पर मास्टर ट्रेनर्स के लिए ओरिएंटेशन कोर्स* के रूप में 3 दिवसीय ऑफलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य मास्टर ट्रेनर्स को नई विज्ञान पाठ्यपुस्तकों की गहन समझ प्रदान करना और कक्षा में प्रभावी रूप से लागू करना था। सत्रों में सामग्री विश्लेषण, शिक्षण-प्रशिक्षण रणनीतियाँ, व्यावहारिक गतिविधियाँ एवं अधिगम परिणामों के अनुरूप मूल्यांकन डिजाइन शामिल थे। सहभागियों ने सामूहिक चर्चाओं, प्रदर्शनों और प्रशिक्षण अभ्यासों में सक्रिय भाग लिया। यह कार्यशाला अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई, जिससे प्रशिक्षकों की अन्य शिक्षकों का मार्गदर्शन करने, वैचारिक स्पष्टता बढ़ाने और विज्ञान शिक्षण को अधिक संवादात्मक बनाने की क्षमता सुदृढ़ हुई।

10. **गणित पाठ्यपुस्तकों पर मास्टर ट्रेनर्स हेतु 3-दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला**

क्लास VI और VIII के लिए नए NCERT गणित पाठ्यपुस्तकों पर मास्टर ट्रेनर्स हेतु 3-दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला इस संस्थान में 29 से 31 जुलाई 2025 तक आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रशिक्षकों को अद्यतन पाठ्यक्रम, शिक्षण दृष्टिकोण और नवीन शिक्षण रणनीतियों से अवगत कराना था। कुल 38 TGT (गणित) शिक्षक ने इंटरैक्टिव सत्रों, चर्चाओं और व्यावहारिक अभ्यासों में सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम ने प्रशिक्षकों को नए पाठ्यपुस्तकों को प्रभावी ढंग से कक्षा में लागू करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान किए।

11.नई पाठ्यपुस्तकों (संस्कृत) पर तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला

कक्षा 6, 7 और 8 के लिए नई शुरू की गई संस्कृत पाठ्यपुस्तकों पर एक अभिविन्यास कार्यशाला 4 से 6 अगस्त 2025 तक आयोजित की गई, जिसका ध्यान अद्यतन पाठ्यक्रम के लिए व्यावहारिक रणनीतियों से शिक्षकों को लैस करने पर था। सत्र संशोधित पाठ्यक्रम के बारे में शिक्षकों की समझ को गहरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए थे, जो सरलीकृत भाषा, आकर्षक सामग्री और सांस्कृतिक संदर्भ पर जोर देते हैं। संसाधन व्यक्तियों ने व्याकरण, श्लोक और गद्य को पढ़ाने के लिए प्रभावी तकनीकों पर प्रदर्शन किया, जिससे छात्रों की रुचि जागृत हुई। उच्चारण अभ्यास, इंटरैक्टिव कक्षा गतिविधियों और

प्राचीन ग्रंथों को आधुनिक समय के मूल्यों से जोड़ने पर जोर दिया गया। शिक्षकों ने संस्कृत शिक्षण में कहानी कहने, सस्वर पाठ और नाटकीयता को एकीकृत करने के रचनात्मक तरीकों की खोज की। कार्यशाला ने खुली चर्चाओं को प्रोत्साहित किया |

12 . नई अंग्रेजी पाठ्यपुस्तकों पर मास्टर प्रशिक्षकों के लिए अभिविन्यास पाठ्यक्रम

नई अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक श्रृंखला "पूर्वी" पर मास्टर प्रशिक्षकों के लिए एक अभिविन्यास पाठ्यक्रम 4 से 6 अगस्त 2025 तक आयोजित किया गया। यह कार्यशाला टीजीटी (अंग्रेजी) शिक्षकों को कक्षा 6, 7 और 8 के नए पाठ्यक्रम से परिचित कराने के लिए डिज़ाइन की गई थी। सत्रों में पूर्वी श्रृंखला की संरचना, विषयवस्तु और शैक्षणिक दृष्टिकोण को समझने पर ध्यान केंद्रित किया गया। संसाधन व्यक्तियों ने प्रतिभागियों को नई पुस्तकों में उल्लिखित शिक्षण परिणामों, भाषा कौशल एकीकरण और मूल्यांकन पैटर्न के माध्यम से मार्गदर्शन किया। कक्षा शिक्षण को अधिक शिक्षार्थी-केंद्रित, संवादात्मक और प्रासंगिक बनाने पर ज़ोर दिया गया। शिक्षकों ने गद्य, पद्य और व्याकरण को आकर्षक तरीके से पढ़ाने के लिए नवीन रणनीतियों की खोज की। पाठ्यक्रम ने नई सामग्री को लागू करने में आने वाली चुनौतियों पर भी ध्यान केंद्रित किया और व्यावहारिक कक्षा समाधान प्रदान किए। प्रतिभागियों ने समूह कार्य, पाठ योजना और सामग्री विश्लेषण में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला ने आलोचनात्मक चिंतन और शिक्षण विचारों के सहयोगात्मक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया।

कुल मिलाकर, अभिविन्यास ने मास्टर प्रशिक्षकों को स्कूल स्तर पर प्रशिक्षण को प्रभावी ढंग से प्रसारित करने के लिए सफलतापूर्वक सक्षम बनाया।

13 . नई सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तकों पर मास्टर प्रशिक्षकों के लिए अभिविन्यास पाठ्यक्रम

नई एसएसटी (सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन) पाठ्यपुस्तक पर मास्टर प्रशिक्षकों के लिए अभिविन्यास पाठ्यक्रम पर केंद्रित एक 3-दिवसीय ऑफ़लाइन कार्यशाला (11 से 13 अगस्त 2025) आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य मास्टर प्रशिक्षकों को पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु और शिक्षणशास्त्र के बारे में गहन समझ और प्रभावी प्रशिक्षण कौशल से लैस करना था। कार्यशाला में संभवतः पाठ्यक्रम के उद्देश्यों, शिक्षण दृष्टिकोणों और प्रशिक्षण को अन्य शिक्षकों तक पहुँचाने की रणनीतियों जैसे पहलुओं को शामिल किया गया, जिससे सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन में समग्र शिक्षण पद्धतियों में सुधार हुआ। संभवतः केंद्रीय विद्यालय संगठन जैसे किसी शैक्षणिक संस्थान द्वारा अपने किसी क्षेत्रीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षक क्षमता को सुदृढ़ करना और कक्षाओं में नई पाठ्यपुस्तक के प्रभावी कार्यान्वयन को बढ़ावा देना था।

14. कौशल संवर्धन हेतु व्यावसायिक शिक्षा कार्यशाला : बेंगलुरु संभाग

“कौशल संवर्धन हेतु व्यावसायिक शिक्षा में एटीएल एवं STEAM आधारित व्यावहारिक अधिगम” विषय पर 5-दिवसीय ऑफलाइन कार्यशाला का आयोजन बेंगलुरु क्षेत्र के TGT (WE) शिक्षकों के लिए 11 से 15 अगस्त 2025 तक किया गया। इस कार्यशाला में कुल 25 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागियों ने अनुभवात्मक गतिविधियों, सहयोगात्मक चर्चाओं एवं चिंतन सत्रों में भाग लेकर व्यावहारिक अधिगम का अनुभव प्राप्त किया। कार्यशाला ने शिक्षकों को विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा को समृद्ध बनाने हेतु प्रभावी दृष्टिकोण और रणनीतियाँ प्रदान कीं।

15. "हिंदी शिक्षण में आईसीटी का प्रभावी उपयोग" विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला

18 से 22 अगस्त 2025 तक टीजीटी हिंदी शिक्षकों के लिए "हिंदी शिक्षण में आईसीटी का प्रभावी उपयोग" विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को अपने हिंदी शिक्षण अभ्यासों में डिजिटल उपकरणों को एकीकृत करने के कौशल से लैस करना था। प्रतिभागियों को शैक्षिक ऐप्स, मल्टीमीडिया सामग्री, स्मार्टबोर्ड और प्रेजेंटेशन सॉफ़्टवेयर जैसे विभिन्न आईसीटी संसाधनों से परिचित कराया गया। इन सत्रों में दिखाया गया कि कैसे तकनीक हिंदी पाठों को अधिक संवादात्मक, आकर्षक और छात्र-अनुकूल बना सकती है। व्याकरण, साहित्य और बोध विषयों को समझाने के लिए डिजिटल वर्कशीट, क्विज़ बनाने और वीडियो के उपयोग पर विशेष ज़ोर दिया गया। शिक्षकों ने मूल्यांकन करने, अध्ययन सामग्री साझा करने और छात्रों के साथ संवाद करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के उपयोग पर भी चर्चा की। कार्यशाला ने पारंपरिक शिक्षण विधियों को आधुनिक डिजिटल तकनीकों के साथ जोड़ते हुए एक मिश्रित शिक्षण दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया। व्यावहारिक सत्रों ने प्रतिभागियों को सीखी गई बातों को अनुकरणीय कक्षा परिदृश्यों में लागू करने का अवसर दिया। सामग्री को अच्छी प्रतिक्रिया मिली और शिक्षकों ने इसे आज के तकनीक-संचालित शैक्षिक परिवेश के लिए अत्यधिक प्रासंगिक पाया।

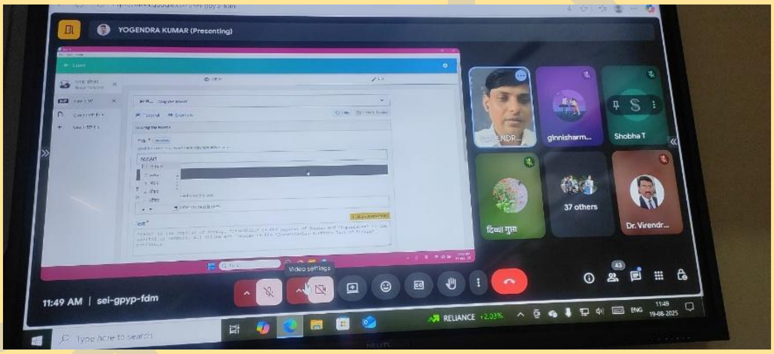

16. "अंग्रेजी शिक्षण में आईसीटी का प्रभावी उपयोग" विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला

अंग्रेजी शिक्षण में आईसीटी के प्रभावी उपयोग पर पाँच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला 18 से 22 अगस्त 2025 तक टीजीटी (अंग्रेजी) शिक्षकों के लिए आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य अंग्रेजी कक्षाओं में डिजिटल दक्षताओं को बढ़ाना और प्रौद्योगिकी-एकीकृत शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देना था। प्रतिभागियों को भाषा सीखने के लिए उपयोगी विभिन्न आईसीटी उपकरणों और प्लेटफार्मों से परिचित कराया गया, जिनमें इंटरैक्टिव प्रस्तुतियाँ, डिजिटल स्टोरीटेलिंग और ऑनलाइन मूल्यांकन शामिल हैं। सत्रों में सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने के कौशल को बेहतर बनाने के लिए मल्टीमीडिया संसाधनों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। शिक्षकों ने आकर्षक डिजिटल सामग्री बनाना और वीडियो, क्विज़ और गेम को अपनी पाठ योजनाओं में शामिल करना सीखा। कार्यशाला में गूगल क्लासरूम और पैडलेट जैसे सहयोगी उपकरणों के उपयोग पर भी चर्चा की गई। साइबर सुरक्षा और डिजिटल उपकरणों के ज़िम्मेदारी से उपयोग पर भी ज़ोर दिया गया।

17. *किशोर मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के संवर्धन हेतु मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण*

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के शिक्षकों हेतु *किशोर मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के संवर्धन हेतु मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण* पर 5 दिवसीय ऑफलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मास्टर ट्रेनर्स को किशोर मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं को समझने, कल्याण को बढ़ावा देने और स्कूलों में सहायक रणनीतियाँ लागू

करने की क्षमता प्रदान करना था। सत्रों में सहभागात्मक चर्चाएँ, अध्ययन मामले, रोल-प्ले और व्यावहारिक अभ्यास शामिल थे। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से सहयोगी गतिविधियों में भाग लिया। यह कार्यशाला अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई, जिससे क्षमता निर्माण, जागरूकता और मार्गदर्शन कौशल बढ़ाने में सहायता मिली।

18. "सामाजिक विज्ञान शिक्षण में आईसीटी का प्रभावी उपयोग" विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला

सामाजिक विज्ञान शिक्षण में आईसीटी के प्रभावी उपयोग पर पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला 8 से 12 सितंबर 2025 तक टीजीटी (सामाजिक विज्ञान) शिक्षकों के लिए आयोजित की गई थी। कार्यशाला का उद्देश्य डिजिटल शिक्षण कौशल को बढ़ाना और सामाजिक विज्ञान कक्षाओं में प्रौद्योगिकी के एकीकरण को बढ़ावा देना था। प्रतिभागियों को विभिन्न आईसीटी उपकरणों जैसे कि इंटरैक्टिव मानचित्र, वर्चुअल टूर, टाइमलाइन और डिजिटल सिमुलेशन से परिचित कराया गया। सत्रों में इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र को अधिक आकर्षक और इंटरैक्टिव बनाने के लिए मल्टीमीडिया संसाधनों के उपयोग पर जोर दिया गया। शिक्षकों ने कैनवा और गूगल अर्थ जैसे प्लेटफार्मों का उपयोग करके दृश्य रूप से समृद्ध और छात्र-अनुकूल प्रस्तुतियाँ डिजाइन करना सीखा। डिजिटल स्टोरीटेलिंग, मानचित्र-आधारित गतिविधियों और ऑनलाइन स्रोतों के माध्यम से वर्तमान डेटा के उपयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया

19. **"गणित शिक्षण में ICT का प्रभावी उपयोग"** विषय पर **5-दिवसीय ऑनलाइन**

"गणित शिक्षण में ICT का प्रभावी उपयोग" विषय पर 5-दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला 08 से 12 सितंबर 2025 तक आयोजित की गई। इस कार्यशाला में बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और एर्नाकुलम क्षेत्र के TGT गणित शिक्षक ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को गणित शिक्षण में ICT उपकरणों को प्रभावी रूप से एकीकृत करने की क्षमताएँ विकसित करना था। कुल 37 प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्रों, डेमो और अनुभवात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की। कार्यशाला ने आधुनिक डिजिटल तकनीकों के माध्यम से गणित शिक्षण को सशक्त बनाने हेतु व्यावहारिक दिशा-निर्देश और रणनीतियाँ प्रदान कीं।

20. "शिक्षाशास्त्र की बेहतर समझ के साथ विषयवस्तु शिक्षण" विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला

पीजीटी (अंग्रेजी) शिक्षकों के लिए 15 से 17 सितंबर 2025 तक "शिक्षाशास्त्र की बेहतर समझ के साथ विषयवस्तु शिक्षण" विषय पर तीन दिवसीय ऑफ़लाइन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं के लिए विषयवस्तु ज्ञान और प्रभावी शैक्षणिक प्रथाओं के बीच की खाई को पाटना था। विशेषज्ञ संसाधन व्यक्तियों ने साहित्यिक ग्रंथों की व्याख्या, भाषा कौशल को बढ़ाने और शिक्षण विधियों को सीखने के उद्देश्यों के साथ संरेखित करने पर केंद्रित सत्रों का संचालन किया। वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं में शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण, आलोचनात्मक चिंतन और विभेदित निर्देश पर ज़ोर दिया गया। शिक्षकों ने गहन जुड़ाव और प्रासंगिकता के साथ कविता, गद्य और नाटक पढ़ाने की रणनीतियों की खोज की। व्यावहारिक गतिविधियों और समूह कार्यों ने सहयोगात्मक शिक्षण और चिंतनशील शिक्षण को संभव बनाया। रचनात्मक और क्षमता-आधारित मूल्यांकन सहित मूल्यांकन तकनीकों को व्यावहारिक कक्षा उपयोग के लिए साझा किया गया।

21. पुस्तकालयों को ज्ञान केंद्र बनाने हेतु ई-ग्रंथालय 4.0 : डिजिटलीकरण और व्यावहारिक पहलू

केंद्रीय विद्यालय संगठन के अंतर्गत, मैसूर स्थित क्षेत्रीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (ZIET) ने 15 से 19 सितंबर, 2025 तक पुस्तकालयों को ज्ञान केंद्र बनाने हेतु ई-ग्रंथालय 4.0 के डिजिटलीकरण और व्यावहारिक पहलुओं पर केंद्रित पाँच दिवसीय ऑफ़लाइन कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य ई-ग्रंथालय 4.0 जैसे डिजिटल उपकरणों का लाभ उठाकर पुस्तकालयों को आधुनिक ज्ञान केंद्रों में बदलना और पुस्तकालय प्रबंधन एवं सुगम्यता को बेहतर बनाना था। प्रतिभागियों ने संभवतः केंद्रीय विद्यालय पुस्तकालयों में डिजिटलीकरण रणनीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण और विशेषज्ञ सत्रों में भाग लिया, जो शैक्षिक उत्कृष्टता और प्रौद्योगिकी एकीकरण को बढ़ावा देने के के.वि .सं . के लक्ष्यों के अनुरूप था।

22. **"ऑनलाइन जीवन और विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का संतुलन"**

"ऑनलाइन जीवन और विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का संतुलन" विषय पर 3-दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला 22 से 24 सितंबर 2025 तक मास्टर ट्रेनर्स के लिए आयोजित की गई। इस कार्यशाला में बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और एर्नाकुलम क्षेत्रों के विभिन्न विषयों के TGT और PGT शिक्षक ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखते हुए ऑनलाइन गतिविधियों का संतुलित प्रबंधन करने की रणनीतियाँ प्रदान करना था। प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्रों, चर्चाओं और चिंतन अभ्यासों में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला ने शिक्षकों को व्यावहारिक दृष्टिकोण और उपाय प्रदान किए।

23. "भाषाई कौशल विकास एवं मूल्यांकन" विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला

टीजीटी हिंदी शिक्षकों के लिए "भाषाई कौशल विकास एवं मूल्यांकन" विषय पर 22 से 26 सितंबर 2025 तक पाँच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों की भाषा कौशल की समझ को मज़बूत करना और उन्हें छात्रों में सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने की क्षमता विकसित करने हेतु प्रभावी रणनीतियों से लैस करना था। विशेषज्ञों ने बेहतर संचार कौशल को बढ़ावा देने के लिए कक्षाओं में भाषा-समृद्ध वातावरण बनाने के महत्व पर ज़ोर दिया। शिक्षकों को हिंदी में शब्दावली, उच्चारण, समझ और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाने के लिए नवीन तरीकों से परिचित कराया गया। सत्रों में सीखने के परिणामों से जुड़े रचनात्मक और योगात्मक उपकरणों के माध्यम से भाषाई कौशल का आकलन करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। गतिविधियों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए भूमिका-खेल, समूह चर्चा, श्रुतलेख अभ्यास और पठन बोध कार्य शामिल थे। छात्रों की भाषा दक्षता का प्रभावी ढंग से मूल्यांकन करने के लिए शिक्षकों को रूब्रिक, मौखिक परीक्षा और लिखित मूल्यांकन तैयार करने के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। सक्रिय शिक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए सहकर्मी और स्व-मूल्यांकन तकनीकों के उपयोग पर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला ने छात्र-केंद्रित शिक्षण और सतत मूल्यांकन प्रथाओं को बढ़ावा

1. A 5-day offline workshop on *“Skill Enrichment in Vocational Education: Practical Learning with ATL & STEAM”* was organized for TGT (WE) teachers of Chennai Region from 30th June to 4th July 2025. The programme focused on enhancing vocational education through innovative pedagogical practices and hands-on learning with ATL and STEAM integration. A total of 31 participants took part actively in experiential sessions, collaborative discussions, and reflective activities. The workshop provided practical insights and strategies to strengthen vocational education in schools.

2. A **5-day offline workshop** on *"Skill Enrichment in Vocational Education: Practical Learning with ATL & STEAM"* was conducted for **TGT (WE) teachers of Hyderabad Region** from **7th to 11th July 2025**. The workshop aimed to strengthen vocational education through innovative strategies and hands-on approaches integrating ATL and STEAM concepts. A total of **43 participants** took part actively in experiential activities, discussions, and reflective sessions. The programme provided valuable insights and practical exposure, enabling teachers to adopt effective methods for enriching vocational education in schools.

3. ***A workshop on Effective Use of ICT in Science Teaching* was organized from 07.07.2025 to 11.07.2025**

A 5-day online workshop on *Effective Use of ICT in Science Teaching* was organized for TGT (Science) teachers of Kendriya Vidyalaya Sangathan from 07.07.2025 to 11.07.2025. The workshop aimed to enhance teachers' skills in integrating Information and Communication Technology (ICT) tools into science teaching for improving student engagement and learning outcomes. Participants explored interactive teaching platforms, digital resources, virtual labs, and innovative strategies for effective lesson delivery. Teachers actively engaged in hands-on activities, discussions, and demonstration sessions. The programme proved highly productive in strengthening digital pedagogical skills and enabling teachers to make science teaching more interactive, conceptual, and learner-centered.

4. ***Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Programme* was conducted for Principals from 14.07.2025 to 16.07.2025**

A 3-day workshop on *Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Programme* was conducted for Principals from 14.07.2025 to 16.07.2025. The workshop aimed to prepare Master Trainers capable of implementing the programme effectively at institutional and regional levels. Sessions focused on understanding the objectives of Rashtriya Karmayogi, leadership skills, capacity building, and effective service delivery strategies. Participants engaged in interactive discussions, group activities, and role-plays to develop practical insights. The programme proved highly beneficial in enhancing the leadership and training capabilities of principals, equipping them to mentor others and ensure efficient execution of the Jan Seva initiatives.

5. A **4-day offline workshop** on *"Handling the Vigilance and Disciplinary Proceedings"* was organized for **Assistant**

Commissioners (Batch-2) of KVS from **15th to 18th July 2025**. The workshop aimed to enhance participants' understanding and skills in managing vigilance and disciplinary matters effectively. A total of **35 Assistant Commissioners** actively participated in case studies, interactive discussions, and practical exercises. The programme provided valuable insights, guidance, and strategies to ensure fair, transparent, and efficient handling of vigilance and disciplinary proceedings within KVS.

6. A three-day workshop on **Content Enrichment in Teaching Language and Literature** was conducted from **21st to 23rd July 2025** for **Trained Graduate Teachers (English)**. The workshop aimed at enhancing pedagogical skills and deepening content knowledge in English Language and

Literature. Master Trainers facilitated interactive sessions focusing on innovative strategies, assessment techniques, and curriculum alignment. Emphasis was placed on developing critical thinking, creative writing, and comprehension skills among students. Participants were exposed to best practices in literature teaching and activity-based language learning. The use of digital tools and technology integration in English classrooms was also demonstrated. Teachers actively engaged in group discussions, presentations, and hands-on activities. The workshop fostered a collaborative learning environment and encouraged reflective teaching practices. Overall, it was a successful initiative towards professional development and academic excellence in English teaching.

7. 5-days online workshop on "Digitalization of Libraries & Practical aspects of E-Granthalaya 4.0 and Libraries as knowledge hub" on 18/07/2025 and 21/07/2025 to 24/07/2025

A 5-day online workshop focusing on the Digitalization of Libraries & Practical aspects of E-Granthalaya 4.0 and Libraries as knowledge hub was conducted from July 18, 2025, and July 21-24, 2025. The workshop put emphasis on transforming libraries into modern knowledge centers through digitization, leveraging E-Granthalaya 4.0 for efficient library management and enhanced accessibility. Participants engaged in hands-on training and expert sessions to implement digital strategies, aligning with goals of promoting educational excellence and technology integration in libraries. The workshop focused on digital transformation in education, aiming to position libraries as vibrant knowledge hubs.

8. A three-day orientation workshop on the new textbooks for Classes 6, 7, and 8 was conducted from 22nd to 24th July 2025 for TGT (Hindi) teachers. The objective of the workshop was to provide an in-depth understanding of the structure, approach, and teaching methodology of the new curriculum. Subject experts discussed the key features of the textbooks, content presentation, and effective teaching strategies. The workshop emphasized activity-based learning, innovative assessment methods, and a student-centered approach. Each day included lectures and hands-on sessions facilitated by experienced trainers. Teachers collaborated in groups to design and present lesson plans based on the new textbooks. The content of the new books was appreciated for its inclusive approach, local relevance, and value-based themes. The workshop helped teachers develop the necessary skills and perspectives to implement the curriculum effectively in classrooms. Participants found the training highly beneficial and engaging.

9. ***Orientation Course for Master Trainers on New Science Textbook*** **was conducted for TGT (Science) teachers from 28.07.2025 to 30.07.2025**

   A 3-day offline workshop on *Orientation Course for Master Trainers on New Science Textbook* was conducted for TGT (Science) teachers from 28.07.2025 to 30.07.2025. The programme aimed to equip Master Trainers with a thorough understanding of the new Science textbooks for effective classroom implementation. Sessions included content analysis, pedagogical strategies, hands-on activities, and assessment design aligned with learning outcomes. Participants actively engaged in collaborative discussions, demonstrations, and training exercises to develop teaching expertise. The workshop proved highly productive, enhancing the trainers' ability to guide other teachers, improve conceptual clarity, and promote interactive and student-centered learning in Science.

10. A 3-day offline orientation workshop for Master Trainers on the new NCERT Mathematics textbooks for classes VI and VIII was conducted from 29th to 31st July 2025 at this institute. The workshop aimed to familiarize trainers with the updated curriculum, pedagogical approaches, and innovative teaching strategies. A total of 38 TGT (Mathematics) teachers actively participated in interactive sessions, discussions,

and practical exercises. The programme provided valuable insights and guidance to equip trainers for effective classroom implementation of the new textbooks.

11. An orientation workshop on the newly introduced Sanskrit textbooks for Classes 6, 7, and 8 was held from 4th to 6th August 2025, focusing on equipping teachers with practical strategies for the updated curriculum. The sessions were designed to deepen teachers' understanding of the revised syllabus, which emphasizes simplified language, engaging content, and cultural context. Resource persons conducted demonstrations on effective techniques to teach grammar, shlokas, and prose in a way that sparks student interest. Emphasis was placed on pronunciation practice, interactive classroom activities, and linking ancient texts to modern-day values. Teachers explored creative ways to integrate storytelling, recitation, and dramatization into Sanskrit teaching. The workshop encouraged open discussions, allowing participants to share challenges and best practices. Detailed lesson planning and assessment strategies were also covered to support smooth implementation. The new textbooks were praised for their balanced approach—maintaining traditional richness while making content accessible to middle school learners.

12. An Orientation Course for Master Trainers on the new English textbook series "Poorvi" was conducted from 4th to 6th August 2025. The workshop was designed for TGT (English) teachers to familiarize them with the new curriculum for Classes 6, 7, and 8. The sessions focused on understanding the structure, themes, and pedagogical approach of the *Poorvi* series. Resource persons guided the participants through the learning outcomes, language skills integration, and assessment patterns outlined in the new books. Emphasis was placed on making classroom teaching more learner-centric, interactive, and contextually relevant. Teachers explored innovative strategies to teach prose, poetry, and grammar in engaging ways. The course also addressed challenges in implementing the new content and provided practical classroom solutions. Participants actively took part in group work, lesson planning, and content analysis. The workshop encouraged critical reflection and collaborative sharing of teaching ideas. Overall, the orientation successfully equipped Master Trainers to cascade the training effectively at the school level.

13. 3-day offline workshop on the orientation course for Master Trainers on the new SST textbook

(Aug 11 to 13 2025)

A 3-day offline workshop was conducted (Aug 11 to 13 2025) as the orientation course for Master Trainers on the new SST (Social Science/Social Studies) textbook, aiming to equip Master Trainers with in-depth understanding and effective training skills regarding the textbook's content and pedagogy. The workshop covered aspects like curriculum objectives, teaching approaches, and strategies for cascading the training to other educators, enhancing overall teaching practices in Social Science/Social Studies. The event sought to strengthen teacher capacity and promote effective implementation of the new textbook in classrooms.

14. A **5-day offline workshop** on *"Skill Enrichment in Vocational Education: Practical Learning with ATL & STEAM"* was conducted for **TGT (WE) teachers of Bengaluru Region** from **11th to 15th August 2025**. The programme focused on enhancing practical teaching skills in vocational education through innovative ATL and STEAM-based approaches. A total of **25 participants** actively engaged in hands-on activities, collaborative discussions, and reflective sessions. The workshop provided valuable insights and practical strategies to help teachers effectively enrich vocational education in schools.

15. A five-day workshop on "Effective Use of ICT in Hindi Teaching" was organized for TGT Hindi teachers from 18th to 22nd August 2025. The primary aim was to equip teachers with the skills to integrate digital tools into their Hindi teaching practices. Participants were introduced to various ICT resources such as educational apps, multimedia content, smartboards, and presentation software. The sessions demonstrated how technology can make Hindi lessons more interactive, engaging, and student-friendly. Special emphasis was given to creating digital worksheets, quizzes, and using videos to explain grammar, literature, and comprehension topics. Teachers also explored the use of online platforms for conducting assessments, sharing study materials, and communicating with students. The workshop encouraged a blended learning approach, combining traditional teaching methods with modern digital techniques. Practical hands-on sessions allowed participants to apply what they learned in simulated classroom scenarios. The content was well-received, and teachers found it highly relevant for today's tech-driven education environment

16. A five-day online workshop on the Effective Use of ICT in English Teaching was conducted from 18th to 22nd August 2025 for TGT (English) teachers. The workshop aimed to enhance digital competencies and promote technology-integrated teaching practices in English classrooms. Participants were introduced to a variety of ICT tools and platforms useful for language learning, including interactive presentations, digital storytelling, and online assessments. Sessions focused on

using multimedia resources to improve listening, speaking, reading, and writing skills. Teachers learned to

create engaging digital content and integrate videos, quizzes, and games into their lesson plans. The workshop also covered the use of collaborative tools like Google Classroom and Padlet. Cyber safety and responsible use of digital tools were also emphasized.

17. ***Training of Master Trainers on Nurturing Adolescent Mental Health & Well-being 18.08.2025-22.08.2025***

A 5-day offline workshop on *Training of Master Trainers on Nurturing Adolescent Mental Health & Well-being* was organized for teachers from KVS. The programme aimed to equip Master Trainers with the knowledge and skills to address adolescent mental health issues, promote well-being , and implement supportive strategies in schools. Sessions included interactive discussions, case studies, role-plays, and practical exercises on identifying mental health concerns, building resilience, and fostering a positive school environment. Participants actively engaged in collaborative activities. The workshop proved highly effective in enhancing capacity building, awareness, and mentoring skills to support adolescents' mental and emotional development.

18. A five-day online workshop on the **Effective Use of ICT in Social Science Teaching** was conducted from **8th to 12th September 2025** for **TGT (Social Science)** teachers. The workshop aimed to enhance digital teaching skills and promote the integration of technology in Social Science classrooms. Participants were introduced to various ICT tools such as interactive maps, virtual tours, timelines, and digital simulations. Sessions emphasized the use of multimedia resources to make history, geography, political science, and economics more engaging and interactive. Teachers learned to design visually rich and student-friendly presentations using platforms like Canva and Google Earth. The importance of digital storytelling, map-based activities, and the use of current data through online sources was also highlighted. Practical sessions enabled participants to create ICT-based lesson plans tailored to their subject content. Discussions also covered online classroom management and responsible digital behaviour.

19. A **5-day online workshop** on *"Effective Use of ICT in Mathematics Teaching"* was conducted from **8th to 12th September 2025** for **TGT Mathematics teachers** from Bengaluru, Chennai, Hyderabad, and Ernakulam regions. The programme aimed to enhance participants' skills in integrating ICT tools effectively into mathematics instruction. A total of **37 participants** actively engaged in interactive sessions, demonstrations, and hands-on activities. The workshop provided practical insights, innovative strategies, and guidance to improve teaching and learning of mathematics through modern digital technologies.

20. A three-day offline workshop on "Teaching Content with Better Understanding of Pedagogy" was conducted from 15th to 17th September 2025 for PGT (English) teachers. The workshop aimed to bridge the gap between content knowledge and effective pedagogical practices for Classes XI and XII. Expert resource persons facilitated sessions focused on interpreting literary texts, enhancing language skills, and aligning teaching methods with learning objectives. Emphasis was placed on learner-centered approaches, critical thinking, and differentiated instruction in senior secondary classrooms. Teachers explored strategies for teaching poetry, prose, and drama with deeper engagement and contextual relevance. Hands-on activities and group tasks allowed for collaborative learning and reflective teaching. Assessment techniques, including formative and competency-based evaluation, were shared for practical classroom use.

21. The Zonal Institute of Education and Training (ZIET), Mysore, under Kendriya Vidyalaya Sangathan, conducted a five-day offline workshop from September 15 to 19, Sep. 2025, focusing on Digitization and Practical Aspects of E-Granthalaya 4.0 to Make Libraries as Knowledge Hubs. The workshop aimed to transform libraries into modern knowledge centers leveraging digital tools like E-Granthalaya 4.0, enhancing library management and accessibility. Participants engaged in hands-on training and expert sessions to implement digitization strategies effectively in Kendriya Vidyalaya libraries, aligning with KVS's goals of promoting educational excellence and technology integration

22. 3-day online workshop for Master Trainers on *"Balancing Online Life & Mental Health of Students"*

A **3-day online workshop** for **Master Trainers** on *"Balancing Online Life & Mental Health of Students"* was conducted from **22nd to 24th September 2025**. The programme involved **TGT s and PGT s of various subjects** from Bengaluru, Chennai, Hyderabad, and Ernakulam regions. The workshop aimed to raise awareness and provide strategies for maintaining students' mental well-being while managing online activities effectively. Participants actively engaged in interactive sessions, discussions, and reflective exercises. The workshop equipped teachers with practical approaches to support students' balanced digital and mental health.

23. A five-day workshop on "Linguistic Skill Development and Assessment" for TGT Hindi teachers was conducted from 22nd to 26th September 2025. The objective of the workshop was to strengthen teachers' understanding of language skills and equip them with effective strategies for developing listening, speaking, reading, and writing abilities in students. Experts emphasized the importance of creating a language-rich environment in classrooms to foster better communication skills. Teachers were introduced to innovative methods for enhancing vocabulary, pronunciation, comprehension, and creative expression in Hindi. The sessions also focused on assessing linguistic skills through formative and summative tools aligned with learning outcomes. Activities included role-play, group discussions, dictation exercises, and reading comprehension tasks to provide practical experience. Teachers were guided on designing rubrics, oral tests, and written assessments to evaluate students' language proficiency effectively. The use of peer and self-assessment techniques was also explored to encourage active learning. The workshop promoted student-centered teaching and continuous assessment practices.

आकृति -10